सोमवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

28 जुलाई 2025

● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 172
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दूसरे चरण के मतदान में दिखा उत्साह

❑दोपहर 12 बजे तक 29 तथा 3 बजे तक 50 फीसदी मतदान

●सांसद अनिल बलूनी व महेंद्र भट्ट ने डाला वोट
●31 जुलाई को आएगा पंचायत चुनाव का परिणाम

विशेष संवाददाता

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए आज दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। 10 जिलों के 40 विकासखण्डो में आज होने वाले चुनाव में 475 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जिनके भाग्य का फैसला आज उनके गांववासियों द्वारा किया जाएगा।

आज सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ लेकिन पहले दो-तीन घंटे मतदान को लेकर लोगों में भारी उदासीनता देखी गई। 10 बजे तक औसतन 8-9 फीसदी लोगों द्वारा ही अपने मत का इस्तेमाल किया गया, लेकिन 10 बजे के बाद मतदान केंद्रो पर मतदान के लिए लोगों में उत्साह देखा गया खास तौर पर महिलाओं और युवाओं में जो पहली बार वोट डालने आए हैं खासी उत्सुकता देखी गई। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर 10 से 12 बजे के मतदान में भारी उछाल देखा गया। 12 बजे दोपहर तक मतदान प्रतिशत 29-30 फीसदी के आसपास पहुंच गया तथा समाचार लिखे जाने यानि 3 बजे के आसपास यह आंकड़ा 50 फीसदी के करीब जा पहुंचा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 बजे तक देहरादून में 33 फीसदी व उधम सिंह नगर में सर्वाधिक 40 फीसदी, चंपावत में 37 तथा पिथौरागढ़ में 29 फीसदी व उत्तर काशी में 23 फीसदी, नैनीताल में 37, टिहरी में 22 फीसदी व अल्मोड़ा में 25 फीसदी तक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे जबकि चमोली में 28 फीसदी मतदान हुआ था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोगों से आज फिर पहले मतदान फिर जलपान की बात कहते हुए वोट डालने की अपील की है। उनका कहना है कि आपका हर एक वोट प्रदेश के विकास को नई दिशा देगा, इसलिए वोट जरूर डालें। उधर सांसद अनिल बलूनी ने आज अपने पैतृक गांव के प्राथमिक विद्यालय में अपना वोट डाला।

उन्होंने कहा कि पहाड़ के लोगों को त्यौहार व चुनाव के मौके पर अपने गांव जरूर आना चाहिए उधर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने चमोली जनपद में अपने गांव में अपना वोट डाला। आज मतदान का अंतिम चरण है मतगणना 31 जुलाई को होनी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

प्रशासन की लापरवाही

देश के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में न तो अव्यवस्थाओं के फैलने और भगदड़ की घटनाओं और उसमें लोगों के बड़ी संख्या में जान गंवाने की घटनाएं कोई नई बात है और न इस तरह की घटनाओं पर सत्ता और सिस्टम का घड़ियाली आंसू बहाना कोई नई बात है। कल हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियों पर हुई भगदड़ की घटना ने आठ लोगों की जान ले ली वहीं 50 के आसपास लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया। भले ही इस घटना के पीछे बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की अफवाह को एक कारण बताया जा रहा हो लेकिन इस हादसे का सबसे बड़ा कारण प्रशासन की वह नाकामी है जिसके तहत ऐसे स्थलों पर क्राउड को कंट्रोल करना उसकी ड्यूटी होता है। अभी 2 दिन पूर्व ही कावड़ मेला समाप्त हुआ है। सौभाग्य से इस मेले के दौरान कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई लेकिन इसका श्रेय साधु संतों द्वारा सूबे के शासन और जिला प्रशासन को दिया गया। इसके लिए पुलिस कर्मियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मान पाने के बाद जिला प्रशासन भी चैन की नींद सो गया क्योंकि कांवड़ मेले की थकान भी उतारनी थी। उसे इस बात का अनुमान ही नहीं हो सका कि कावड़ मेला तो समाप्त हो गया लेकिन गंगा स्नान पूर्व की तरह अभी भी जारी है। बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई और वह माता मनसा देवी के दर्शनों को निकल पड़े। जो लोग कभी मनसा देवी मंदिर गए होंगे उन्हें पता होगा कि मंदिर की सीढ़ियो वाला पैदल मार्ग कितना संकरा है और कितने लोगों की भीड़ उसमें समा सकती है। क्षमता से कई गुना अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ जब इन सीढ़ियों पर जमा हो गई और इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वहां कोई पुलिस या प्रशासन का अमला था ही नहीं तो फिर वही होना था जो हुआ। जिले के अधिकारियों को जब इस दुर्घटना की खबर मिली तब तक वह सब कुछ हो चुका था जो नहीं होना चाहिए था। पुलिस प्रशासन तो बस इस हादसे के बाद मृतकों व घायलों के शरीरों को ढोकर अस्पताल ले जाने का काम ही करता दिखा। अभी प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन में एक नहीं कई भगदड़ की घटनाएं घटित हुई थी। जिनका दो-चार दिनों तक खूब शोर रहा था इनके कुछ विजुअल भी आए थे जहां श्रद्धालुओं का सामान, चप्पल और जूते बिखरे पड़े थे। सायरन बजाती एंबुलेंस की आवाज भी आपने सुनी होगी लेकिन इन भगदड़ की घटनाओं में कितने लोग मरे और कितने लापता हो गए इसकी कोई अधिकृत जानकारी आज तक शासन प्रशासन द्वारा दी नहीं गई है अभी 2 दिन पहले अखबारों में एक खबर आई थी कि यूपी पुलिस के 161 पुलिसकर्मी इस कुंभ मेले के बाद से लापता है न उनका मोबाइल मिल रहा है न वह घर पर है न ड्यूटी पर। इतनी बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों का गुमशुदगी भले ही आपको हैरान करने वाली लगे लेकिन सत्ता शासन को इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इतना बड़ा देश है और इतनी ज्यादा आबादी, आज का हादसा कल भुला दिया जाता है अभी यूपी के बाराबंकी से भी एक ऐसी ही खबर आ रही है बीती रात यहां एक शिव मंदिर में भी बिजली का करंट फैलने व भगदड़ मचने की घटना में दर्जनों लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। धर्म और आस्था के नाम पर जमावड़ा करना अगर बहुत आसान काम है तो इस धार्मिक उन्माद की भीड़ को कंट्रोल करना उतनी ही कठिन चुनौती भी है। शासन प्रशासन को इन श्रद्धालुओं की जान कैसे बचानी है इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

जिलाधिकारी व एसएसपी ने किया बूथ भ्रमण

हमारे संवाददाता

टिहरी। लोक तंत्र के पर्व पर आज हो रहे मतदान पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने जिलाधिकारी टिहरी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी द्वारा मतदान केंद्रों का भ्रमण किया गया। दोनों अधिकारियों के द्वारा मतदान कार्मिकों से वार्ता की गई और मतदान भवनों की स्थिति का भी जायजा लिया गया, और कार्मिकों के ठहरने एवं भोजन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। एसएसपी टिहरी द्वारा ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मियों, होमगार्ड , वनविभाग एवं ग्राम प्रहरियों से वार्ता की गई।और उन्हें निष्पक्ष एवं तटस्थ रहने के लिए बताया गया। दोनों अधिकारियों द्वारा जोनल अधिकारियों एवं सेक्टर अधिकारियों को हिदायत दी गई कि अपने अपने सेक्टर में निरंतर भ्रमणशील रहकर मतदेय स्थलों से संपर्क लगातार बना के रखेंगे। कोई भी समस्या होने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

प्रिया को प्रताड़ित करने वाले सीएसएल बैंक के सभी खाते सीज

संवाददाता

देहरादून। चार नन्ही बालिकाओं की विधवा मॉ प्रिया से ऋण बीमा धोखाधड़ी में सीएसएल बैंक, को प्रशासन द्वारा सील कर ठप्प कर दिया है जल्द ही नीलामी की कार्यवाही की जाएगी।

आज यहां डीएम सविन बंसल जनमानस के साथ धोखाधड़ी करने वाले बैंकों एवं फाइनेंस कंपनियों पर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जिला अधिकारी को आए दिन निजी बैंकों बैंक द्वारा जनमानस के साथ धोखाधड़ी के प्रकरण प्राप्त हो रहे हैं। जिस पर जिला प्रशासन निरंतर कार्रवाई कर रहा है। जिला प्रशासन इन दिनों जनहित से जुड़े विषयों पर सख्त रूख अपनाए हुए हैं, जहां जनहित में निरंतर कड़े निर्णय लिए जा रहें हैं वही आदेशों की अहवेलना पर सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। ऐसा ही एक अन्य प्रकरण बैंक ऋण से सम्बन्धित व्यथित प्रिया का है जहां आदेशों की ना फरमानी पर एक और बैंक डीएम के कोप का भाजन बना है। जिस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने बैंक शाखा को सील करते हुए ताला झड़ते हुए बैंक की संपत्ति कुर्क कर दी है। विगत 11 जुलाई 2025 को जिलाधिकारी के समक्ष आर्थिक तंगी से जूझ रही 4 छोटे बच्चां की मॉ विधवा प्रिया ने गुहार लगाई थी कि पति की मृत्यु के उपरान्त बैंक एक वर्ष से बीमित ऋण का न तो क्लेम दे रहा है तथा सम्पति के कागज भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने डीएम से गुहार लगाते हुए का कि उनके पति स्व.

❑विधवा माँ का हक न लौटाने पर बैंक नीलामी की कगार पर

विकास कुमार द्वारा 6.50 लाख का बैंक से ऋण लिया था तथा बैंक के अनुरोध पर ऋण का भी बीमा भी करवाया था। बीमा कम्पनी द्वारा ऋण का बीमा करते समय सभी मानकों /जांच जिसमें शारीरिक तथा अन्य समस्त जांच की औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए ऋण का बीमा किया गया तथा प्रीमियम शुल्क काटते हुए ऋण भुगतान उनके पति को किया गया। पति की आकस्मिक मृत्यु उपरांत चार नन्ही बालिकाओं की विधवा मॉ प्रिया से ऋण बीमा धोखाधड़ी में सीएसएल बैंक, को प्रशासन द्वारा सील कर ठप्प कर दिया है जल्द ही नीलामी की कार्यवाही की जाएगी। पति प्रिया के पति विकास की मृत्यु उपरांत ऋण बीमा होते हुए भी बैंक एजेंटस द्वारा उनका घर के कागज जब्त कर लिए थे। व्यथित विधवा प्रिया को बीमा धनराशि नो ड्यूज न देने पर प्रशासन ने राजपुर रोड स्थित बैंक शाखा पर ताला जडते हुए संपत्ति कुर्क कर दी है। विधवा महिला फरियादी प्रिया पति विकास कुमार की मृत्यु उपरांत एक वर्ष से न्याय को भटक रही थी। दंपति द्वारा सी.एस.एल. फाईनेंस लि0 से 6.50 लाख का ऋण लिया था तथा ऋण का बीमा भी कराया था। उनके पति की मृत्यु 12 जुलाई 2024 को आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। तभी से बैंक ने प्रिया को परेशान कर रहे थे, बार-बार बैंक के चक्कर कटा रहे थे तथा उनके घर के कागज भी जब्त कर लिए थे। सब जगह से परेशान होकर प्रिया डीएम से गुहार लगाई थी, जिस पर डीएम ने संबंधित बैंक के प्रबंधक की 7.15 लाख की आरसी काट दी। एक सप्ताह का समय दिए जाने के उपरांत भी बैंक द्वारा वसूली में सहयोग न करने तथा न ही महिला को नो ड्यूज दे रहे थे। जिस पर जिला प्रशासन द्वारा सीसीएल लिमिटेड की राजपुर रोड शाखा को सील करते संपत्ति कुर्क कर दी है जिसकी नीलाम किया जाएगा। जिलाधिकारी सविन के सम्मुख एक ताजा प्रकरण बैंक से

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

डेंगू से बचाव के लिए चलाया जाये स्वच्छता जागरूकता अभियानः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि शहरी व ग्रामीण इलाकों में डेंगू से बचाव के लिए स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जाये।

आज यहां महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में महानगर कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य सचिव डाक्टर आर राजेश कुमार से मुलाकात कर उन्हें सुझाव पत्र सौंपते हुए राजकीय चिकित्सालयों की सुविधायें बढ़ाये जाने एवं मरीजों के हित में आवश्यक निर्णय लिये जाने की मांग की। इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव को सौंपे सुझाव पत्र में पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि मरीजों को सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाओं की ओर आकर्षित कराते हुए मरीजों को इन सुविधाओं का समुचित लाभ दिए जाने और सम्बन्धित प्रक्रियाओं को सरल कराए जाने का अनुरोध किया हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में शामिल राजधानी के ही दून मेडिकल अस्पताल के अलावा जिला चिकित्सालय कोरोनेशन में भी बेड की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए मरीजों को दो-दो महीने की वेटिंग मिलती है। उनका कहना है कि कभी सर्जन तो कभी बेहोशी के डॉक्टर नहीं

रहते। उन्होंने सुझाव पत्र में कहा है कि कई बार मरीज की ऑपरेशन के लिए लंबे इंतजार के बाद बारी आने पर सभी जरूरी मेडिकल जांचें करा दी जाती हैं, लेकिन अंतिम समय में डॉक्टर या अन्य स्टाफ अथवा ज्यादा मरीज होने का कोई न कोई कारण बताकर मरीज को ऑपरेशन के लिए मना कर दिया जाता है और जिससे मरीज और परिजन मायूस हो जाते हैं।

उनका कहना है कि दून मेडिकल अस्पताल और जिला कोरोनेशन समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की अत्यधिक कमी है। जिससे अल्ट्रासाउंड के लिए ही मरीजों को दो-दो महीने तक इंतजार करना पड़ता है और या मजबूरी में निजी डायग्नोस्टिक सेंटर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कमी को दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि यह दवाएं निजी केमिस्ट में बहुत महंगी मिलती है और जिससे कई असमर्थ मरीजों का उपचार नहीं हो पाता है। तो कई मरीज महंगी दवाएं ज्यादा बार नहीं ले पाते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों से बातचीत में पता लगा है कि मानसिक रोगियों द्वारा एक बार बीच इलाज में दवा छोड़ने पर दोबारा इलाज और फिर दवा का कोर्स शुरू से देना पड़ता है और जिससे एक तो मरीज का मर्ज बिगड़ने का डर रहता है।

उन्होंने कहा कि कम से कम प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल अस्पतालों, जिला अस्पतालों और उप जिला अस्पतालों में मनोचिकित्सक तैनात किए जाएं और इन अस्पतालों में मनो रोगियों को निःशुल्क दवा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य सचिव डाक्टर आर राजेश कुमार ने शीघ्र ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजीव पुंज, प्रवक्ता दीप बोहरा, पार्षद अर्जुन सोनकर आदि मौजूद रहे

सुबह-सुबह इन चीजों का भी करें सेवन, मिलेंगे कई स्वास्थ्यवर्धक फायदे

आप अपने दिन की शुरुआत कैसे करते हैं, यह आपके स्वास्थ्य और उर्जा के स्तर को प्रभावित करता है, इसलिए सुबह उठते ही सबसे पहले क्या पीना चाहिए, ये जानना बेहद जरूरी है। अभी आप सबके दिमाग में एकमात्र पानी का ख्याल आ रहा होगा, लेकिन आज हम आपको अन्य कुछ ऐसी ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे जिनका सुबह सेवन करने से स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है।

पानी के साथ सेब का सिरका : सेब का सिरका कई लाभों से भरपूर है और स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा होता है। आधे ग्लास पानी में एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका मिलाकर सुबह उठने के बाद पी लें। ये कई हानिकारक बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है और ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में सहायक है। इसके अलावा ये हृदय को भी बेहतर रखता है। ऐसे लोग जो अपना वजन घटाना और मोटापा कम करना चाहते हैं, वो इसका सेवन जरूर करें।

ग्रीन टी : एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा होने के कारण ग्रीन टी शरीर को कई बीमारियों से बचाती है और वजन घटाने में मदद करती है। सुबह-सुबह ग्रीन टी पीने से कई अन्य फायदे मिलते हैं। ये मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है और मोटापे को खत्म करती है। यह दिमाग को तेज करने में सहायक है और इसमें कैंसर से बचाव के गुण हैं। ग्रीन टी हृदय रोगों के जोखिम को भी कम करती है।

ब्लैक कॉफी : ब्लैक कॉफी में ऐसे कई स्वास्थ्यजनक पदार्थ शामिल हैं जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में काफी फायदेमंद है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के साथ-साथ हाइड्रेटिंग में भी बहुत मददगार होती है। इसमें बहुत कम फैट होता है, लेकिन इसके सेवन से कोर्टिसोल नामक हार्मोन को बढ़ावा मिलता है। यह शुगर लेवल के स्तर को नियंत्रित करने और याद्दाश्त को मजबूत करने जैसी प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को भी प्रभावित करती है।

एलोवेरा का जूस : एलोवेरा सबसे अच्छी प्राकृतिक चीजों में से एक है। एलोवेरा जूस में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से आपको अनगिनत फायदे मिलेंगे। ये गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सूजन को कम करने में मदद करता है और इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम, जो आंतों का रोग है, से पीड़ित लोगों के लिए यह काफी फायदेमंद है। इसके अलावा ये त्वचा की समस्याओं को ठीक करने और पेट को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

टमाटर का जूस : अगर आप अपने दिन की शुरुआत टमाटर के जूस से करते हैं तो इससे न केवल आपके शरीर बल्कि त्वचा को भी काफी फायदा मिलेगा। टमाटर के जूस को पीने से शरीर को हाइड्रेट करने में मदद मिलती है, जिससे आपकी त्वचा खिल जाती है।

घुंघराले बालों की समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम : सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है। लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल : अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें। अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी : बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

एवोकाडो करेगा मदद : एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद सिर को पानी से धो लें और फिर हमेशा की तरह शैंपू करें।

एलोवेरा जेल लगाएं : एलोवेरा स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे बालों का झड़ना रूकता है। इसके अतिरिक्त, यह बालों से डैंड्रफ दूर करने समेत इन्हें हाइड्रेट रखता है। लाभ के लिए हफ्ते में दो बार ताजे एलोवेरा जेल से अपने बालों में मालिश करें। फिर इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद हल्के शैंपू और गुनगुने पानी से सिर को धो लें।

फूलों के पास है कई बीमारियों का इलाज!

रंग-बिरंगे सुंदर फूल न केवल देखने में अच्छे लगते हैं बल्कि अपनी खुशबू से हमारे मन को भी महका देते हैं। फूलों का इस्तेमाल केवल सजने-संवरने और घर की शोभा बढ़ाने के लिए ही नहीं होता, बल्कि आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि इनके पास हमारे शरीर की कई बीमारियों को ठीक करने का इलाज है।

फूलों की हजारों प्रजातियों में से कई ऐसी हैं, जिनमें घाव को भरने से लेकर त्वचा संबंधी बीमारियों को दूर करने का भी उपचार है। फूलों की अलग-अलग प्रजातियां अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में सहायक होती हैं और इसलिए इनका उपयोग करने के पहले विशेषज्ञ का परामर्श आवश्यक होता है।

गुलाब का फूल -

फूलों के राजा गुलाब का भी चिकित्सा के क्षेत्र में अहम योगदान है। आयुर्वेद में गुलाब का उपयोग स्कर्वी के उपचार और गुर्दे संबंधी समस्याओं में होता है। फूलों से उपचार के क्षेत्र में शोध कर रहे आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नितिन शर्मा ने बताया कि गुलाब का फूल शरीर में विटामिन सी की कमी को दूर करने में सहायक होता है।

गुलाब की कलियां विटामिन सी से समृद्ध होती हैं। इन कलियों को स्कर्वी दूर करने के एक प्रमुख तत्व के तौर पर शामिल किया जाता है। गुलाब की कलियों का अर्क गुर्दे की बीमारियों की दवाइयां बनाने में भी इस्तेमाल होता है। यह मूत्र संबंधी विकारों को दूर करती हैं। इसके अलावा गुलाब की पंखुड़ियां गर्मी से आए बुखार को दूर करने, शरीर को ठंडा करने और त्वचा की झाइयों को दूर करने में उपयोग की जाती हैं।

गेंदे के फूल -

जिनके घरों में बच्चे हों, उन्हें अपने घरों में गेंदे का फूल जरूर लगाना चाहिए। गेंदे के फूल को घाव भरने के लिए सर्वश्रेष्ठ मरहम माना जाता है। पुराने समय में बच्चों को चोट लगने पर गेंदे के फूलों को पीस कर घाव के स्थान पर लगा दिया जाता था।

गेंदे के फूल के साथ तुलसी के पत्ते -

गेंदे के फूलों को तुलसी के पत्तों के साथ पीस कर उसका मलहम बना कर भी घाव के उपर रखा जा सकता है। इसके अलावा गेंदे की एक विशेष प्रजाति से त्वचा संबंधी रोगों का भी उपचार किया जा सकता है। इन दिनों लोकप्रिय अरोमाथेरेपी में भी एग्जिमा, जलन और त्वचा के दाग-धब्बों के उपचार संबंधी दवाइयों में गेंदा मुख्य घटक होता है।

कमल का फूल -

कीचड़ में खिलने वाला कमल भी डायरिया को दूर करने और गर्मी के कारण झुलसी त्वचा को निखारने में मददगार साबित होता है।

डायरिया के उपचार के लिए कमल के बीजों को गर्म पानी में डाल कर उसमें काला नमक मिलाया जाता है। अब इसमें चाय की पत्ती डालकर उबाल कर पीने से डायरिया का उपचार किया जा सकता है।कमल की पत्तियों को पीस कर उसे झुलसी त्वचा पर लगाने से त्वचा की गर्मी दूर हो जाती है और झुलसने का निशान भी चला जाता है। शरीर से अतिरिक्त वसा कम करने की दवाइयों में भी कमल की पत्तियों का उपयोग होता है।

गुणों से भरपूर होता है नारियल

नारियल कई ऐसे गुणों से भरपूर होता है जो हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। नारियल का इस्तेमाल कई तरह से किया जा सकता है। आप नारियल की स्वादिष्ट मिठाइयां बना सकते हैं, इसका तेल निकाल सकते हैं, गर्मियों में नारियल का पानी पीकर खुद को हाइड्रेट रख सकते या फिर घर में खुशबू के लिए इसकी मोमबत्तियां इस्तेमाल कर सकते हैं। आज हम आपको नारियल से स्वास्थ्य को होने वाले पांच फायदे बताएंगे।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक

नारियल फाइबर और स्वस्थ फैट से भरपूर होता है और इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम होती है। इसकी वजह से यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में फायदेमंद है। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण आपके ब्लड शुगर के लेवल को सही रखते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्जिन नारियल तेल के इस्तेमाल से ब्लड शुगर और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार होता है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

नारियल आपकी त्वचा को मुलायम, हाइड्रेट और मॉइश्चराइज रखने का काम करता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट आपकी एंजिंग को कम करने और मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारने में मदद करते हैं। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क हटाने और होठों को फटने से बचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। इसके इस्तेमाल से कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है।

वजन घटाने के लिए करें इस्तेमाल

ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा में ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। इससे आपको वजन कम करने के लिए अनगिनत फायदे मिलते हैं। नारियल में मौजूद ट्राइग्लिसराइड्स शरीर की चर्बी को तेजी से खत्म करते हैं और भूख को कम कर देते हैं। यह आपकी पेट की चर्बी को कम करने और वजन घटाने में मददगार साबित होगा, इसलिए आप इसका इस्तेमाल जरूर करें।

नारियल का तेल बालों को लंबा और घना बनाने में मददगार

नारियल तेल का इस्तेमाल सदियों से बालों की समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा रहा है। इसके नियमित इस्तेमाल से बालों को लंबा, घना और चमकदार बनाया जा सकता है। नारियल तेल से सिर में पांच मिनट मसाज करने से न सिर्फ ब्लड सर्कुलेशन में वृद्धि होती है, बल्कि इससे बालों के खो चुके पोषण की भरपाई भी होती है। नियमित नारियल तेल से मसाज करने पर बालों में रूसी की समस्या नहीं होती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को देता है बढ़ावा

आजकल बीमारियां बढ़ती जा रही हैं और सही खान-पान नहीं होने के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर होती जा रही है। इसे बढ़ाने के लिए आप रोजाना खाना पकाने के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल करें। इससे आपको स्वास्थ्य से जुड़े अन्य फायदे भी मिलेंगे। जो लोग नारियल के तेल में बना खाना खाते हैं, वो कई गंभीर बीमारियों से दूर रहते हैं। अन्य तेल में बने खाने को खाने से बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है।

गिटार सीखने जा रहे हैं? ये जरूरी बातें आपके लिए हो सकती हैं उपयोगी

गिटार एक बहुत ही लोकप्रिय संगीत वाद्य यंत्र है, जिसे सीखना एक रोमांचक अनुभव हो सकता है। हालांकि, शुरुआत में कुछ चुनौतियां आती हैं, जिन्हें पार करके आप इसे बजाने में माहिर हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको गिटार सीखने के लिए जरूरी 5 बातें बताएंगे, जो आपकी यात्रा को आसान और मजेदार बनाएंगी। सही गिटार का चयन कैसे करें से लेकर नियमित अभ्यास तक, ये सुझाव आपका सही दिशा में मार्गदर्शन करेंगे।

सही गिटार का चयन करें

गिटार खरीदते समय सबसे पहले आपको सही प्रकार का चयन करना चाहिए। अगर आप शुरुआत कर रहे हैं तो एक साधारण और किफायती गिटार चुनें। आमतौर पर लकड़ी का बना गिटार अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह ध्वनि को बेहतर बनाता है। इसके अलावा, प्लास्टिक या बिजली से चलने वाला गिटार भी सही विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, शुरुआत के लिए लकड़ी का गिटार सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि यह आसानी से संभाला जा सकता है।

तारों की सही सेटिंग करें

गिटार की तारों की सेटिंग बहुत जरूरी होती है। शुरुआती दौर में अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन सही सेटिंग से ही आपका गिटार अच्छी ध्वनि उत्पन्न करेगा। अगर आपने नया गिटार खरीदा है तो हो सकता है कि उसकी तार पहले से ही सही सेट हों। हालांकि, अगर नहीं है तो किसी जानकार की मदद लेकर सभी तारों को सही स्केल पर सेट करवा लें, ताकि बेसुरी ध्वनि न पैदा हो।

उंगलियों की स्थिति पर ध्यान दें

गिटार बजाने के लिए उंगलियों की स्थिति बहुत अहम होती है। सही तरीके से उंगलियों को गिटार पर रखने से न केवल आपका अभ्यास आसान होगा, बल्कि ध्वनि भी बेहतर निकलेगी। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से आप इसमें माहिर हो जाएंगे। इसके लिए गिटार के विभिन्न धुनों और सुरों को जानना जरूरी है, ताकि आप सही तरीके से उंगलियों को रख सकें और गिटार बजाने में कोई दिक्कत न हो।

नियमित अभ्यास करें

गिटार सीखने के लिए नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है। रोजाना थोड़ी देर के लिए ही सही, लेकिन गिटार जरूर बजाएं। इससे आपकी उंगलियों की मांसपेशियां मजबूत होंगी और आपको अलग-अलग धुनें बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, नियमित अभ्यास से आपकी प्रतिभा भी बेहतर होगी और आप जल्दी ही गिटार बजाने में माहिर हो जाएंगे। शुरुआत में थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन नियमितता से आप इसे आसान बना सकते हैं और अपने कौशल में सुधार ला सकते हैं।

ऑनलाइन मार्गदर्शन का उपयोग करें

आजकल इंटरनेट पर कई वीडियो उपलब्ध हैं, जो गिटार सीखने में बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। वीडियो चैनलों या वेबसाइटों पर आपको कई वीडियो मिलेंगे, जिनसे आप अलग-अलग तकनीकों को सीख सकते हैं। इन मार्गदर्शनों की मदद से आप अपने समय अनुसार अभ्यास कर सकते हैं और अपने कौशल को बेहतर बना सकते हैं। इन 5 बातों का पालन करके आप आसानी से गिटार बजाना सीख सकते हैं और संगीत की इस दुनिया का आनंद ले सकते हैं।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अंतरिक्ष में भारत की मजबूत उपस्थिति

विनीत नारायण

41 साल बाद भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्त्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए।

अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है, जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा, क्या कमाल की सवारी थी!' यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है, जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है, जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे शिशु की तरह चलना सीखने' जैसा बताया। अंतरिक्ष यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने, खाने, पढ़ने और यहां तक कि सोने के लिए भी नये तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना, जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है, एक ऐसी अनुभूति है, जो पृथ्वी पर असंभव है।

इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं।' ये दृश्य न केवल मनमोहक हैं, बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी-फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में काफी सोया' जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है।

41 साल पहले, 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी-11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है। इसरो ने एक्सिओम-4 मिशन के लिए 5 अरब रुपये (.59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सकें। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होंगे।' शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम-4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यह मिशन भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में इसके योगदान को दर्शाता है। पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यह मिशन वैश्विक एकता और साझा वैज्ञानिक लक्ष्यों का प्रतीक है। शुभांशु की यात्रा ने भारत के युवाओं में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति उत्साह जगाया है। लखनऊ में उनके स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, में आयोजित वॉच पार्टी में सैकड़ों छात्रों ने उनके प्रक्षेपण को देखा और उत्साह के साथ तालियां बजाई। शुभांशु की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इन लक्ष्यों की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। यह भारत को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भी स्थापित करता है। शुभांशु ने अपनी कक्ष से संदेश में कहा, मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सभी के साथ हूं।' यह भावना 1.4 अरब भारतीयों के गर्व और एकता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक' बताया है।

यह मिशन भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता का एक और प्रमाण है। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसी यात्रा है, जो न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानवता को अपनी सीमाओं से परे सोचने के लिए भी प्रेरित करती है। शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम-4 मिशन में भागीदारी भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो 41 साल बाद अंतरिक्ष में देश की वापसी को चिह्नित करता है। यह मिशन न केवल गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे भविष्य के मिशनों के लिए आधार तैयार करता है, बल्कि भारत के युवाओं को सपने देखने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा भी देता है। जैसा कि शुभांशु ने कहा, यह मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जीत है।' यह यात्रा भारत के अंतरिक्ष युग के नये अध्याय की शुरुआत है। (लेख में विचार निजी हैं)

शब्द सामर्थ्य -24

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

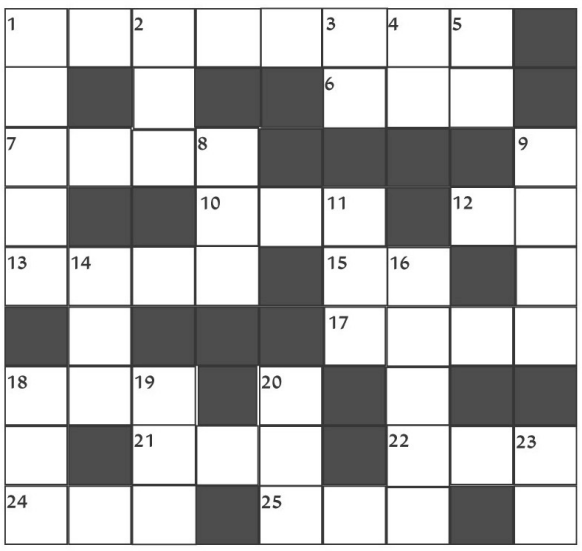

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 23 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

फिर दिखेगा बाहुबली का जलवा; रिलीज होगी बाहुबली- द एपिक

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बाहुबली द बिगनिंग को 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रभास स्टारर इस फिल्म को 10 जुलाई 2015 को रिलीज किया गया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में अपना नाम दर्ज कराया। आज जब फिल्म को 10 साल पूरे हो गए हैं तो मेकर्स ने ऑडियंस को एक और तोहफा देने का ऐलान कर दिया है।

दरअसल बाहुबली फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात का ऐलान किया गया है कि बाहुबली के पहले और दूसरे पार्ट को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बाहुबली मूवी ने लिखा है- 10 साल पहले, एक सवाल ने पूरे देश को एकजुट कर दिया था...अब वही सवाल और उसका जवाब लौट रहे हैं – एक भव्य महाकाव्य में साथ-साथ। बाहुबली द एपिक पूरी दुनिया में 31 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो रही है।

बाहुबली- द एपिक' दरअसल पहली और दूसरी फिल्म का संयुक्त संस्करण है जिसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव के रूप में दोबारा परदे पर लाया जाएगा। ये ना सिर्फ बाहुबली की कहानी को फिर से जीने का मौका देगा, बल्कि आज की नई पीढ़ी को भी उस जादू से रूबरू कराएगा जिसने एक दशक पहले पूरी दुनिया को इंप्रेस कर दिया था।

फिल्म के डायरेक्टर एस एस राजामौली ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, बाहुबली... कई यात्राओं की शुरुआत, अनगिनत यादें और अंतहीन प्रेरणा। 10 साल पूरे हो चुके हैं और इसे यादगार बनाने के लिए आ रही है बाहुबली द एपिक!

बाहुबली' को वैसे तो कई अवॉर्ड्स मिले थे लेकिन इसे राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी नवाजा गया -जिसमें बेस्ट फीचर फिल्म और बेस्ट स्पेशल इफेक्ट्स प्रमुख हैं। ये आज भी छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म है और इसकी हिंदी डब्ड वर्जन अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली डब्ड फिल्म है।(आरएनएस)

केडी-द डेविल का धांसू टीजर जारी, रौब में नजर आई शिल्पा

कन्नड़ फिल्म केडी-द डेविल का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी कर दिया गया है। मेकर्स ने केडी - द डेविल के स्टार कास्ट के किरदारों से पर्दा हटाते हुए फिल्म का टीजर रिलीज किया है। फिल्म के टीजर का अनावरण मुंबई में किया है।

केवीएन प्रोडक्शन हाउस ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर केडी - द डेविल का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी किया और कैप्शन में लिखा है, सबसे हिंसक अध्याय की शुरुआत। केडी का टीजर पुराने जमाने के रोष को एक अभूतपूर्व स्तर पर फिर से ले जाएगा। टीजर की शुरुआत एक चेतावनी के साथ होती है, जिसमें लिखा है, अलर्ट, यह ट्रेलर कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम जैसी कई भाषाओं में देखा जा सकता है। बस सेटिंग्स में जाएं, ऑडियो ट्रैक पर क्लिक करें और अपनी पसंदीदा भाषा चुनें। टीजर की शुरुआत एक्शन सीन से होती है।

टीजर में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रेशमा नानाय्या, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन के किरदार से परिचय कराया गया है, जो काफी दमदार है। इस बीच ध्रुवा और संजय दत्त का दमदार एक्शन सीन दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ दिखाया है। टीजर में बताया गया है कि ध्रुवा और संजय के किरदार के बीच खून का रिश्ता होता है, लेकिन वो रिश्ता अंग में दौड़ने वाले खून का नहीं है। टीजर एक्शन और खून-खराब से भरा हुआ है। उम्मीद है कि दर्शकों को यह एक्शन फिल्म पसंद आएगी। केडी-द डेविल के प्रति दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए मेकर्स ने पांच महानगरों में टीजर लॉन्च करने का प्लान किया है। केडी-द डेविल को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और प्रेम द्वारा निर्देशित किया गया है। यह 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर ड्रामा है। फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। पैन इंडिया वाली यह फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। (आरएनएस)

शॉर्ट्स और ब्रालेट पहनकर समंदर में आग लगाने निकलीं श्वेता तिवारी

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी इन दिनों अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। हाल ही में मॉरीशस वेकेशन से लौटीं श्वेता अब लगातार सोशल मीडिया पर अपनी समंदर किनारे की शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, वो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहीं हैं,

टीवी की दुनिया की सुपरस्टार और लोगों के दिलों पर दशकों से राज कर रहीं श्वेता तिवारी इन दिनों अपनी हॉट और ग्लैमरस फोटोज को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। हाल ही में मॉरीशस वेकेशन से लौटीं श्वेता अब लगातार सोशल मीडिया पर अपनी समंदर किनारे की शानदार तस्वीरें शेयर कर रही हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं।

हाल ही में श्वेता ने बीच पर ब्रालेट और डेनिम शॉर्ट्स में फोटोशूट कराया। उनकी फिटनेस, ग्लोइंग स्किन और बेफिक्र मस्ती को देखकर कोई यकीन नहीं कर सकता कि वो 44 साल की हैं। फैंस यहां तक कह रहे हैं, कि श्वेता अपनी बेटी पलक तिवारी को भी स्टाइल में पीछे छोड़ रही हैं।

इस ट्रिप के दौरान श्वेता के कई लुक्स वायरल हुए हैं, कभी कलरफुल बिकिनी में तो कभी स्कर्ट-टॉप में, लेकिन उनका ब्रालेट और हाई-वेस्ट डेनिम शॉर्ट्स वाला लुक तो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इस लुक में उनका टोन्ड फिगर, फ्लॉन्टेड लेग्स और हैप्पी वाइब्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है।

इस स्टाइलिश अवतार में श्वेता ने मिनिमल मेकअप के साथ काला चश्मा, गोल्डन ईयररिंग्स और काले धागे वाला ब्रैसलेट पहना है, वहीं लाइट जूलरी और खुले लहराते बालों ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया है।

श्वेता की लेटेस्ट फोटोज पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। कोई उन्हें, 25 साल की लड़की कह रहा है, तो कोई उनकी क्यूटनेस पर टैक्स लगाने की बात कर रहा है। एक यूजर ने तो सीधा लिख दिया, श्वेता तिवारी, मेरा पहला प्यार हो तुम!

संस्कारी बहू से स्टाइल क्वीन तक का सफर तय कर चुकीं श्वेता तिवारी आज भी हर उम्र के लोगों की फेवरेट हैं, और ये तस्वीरें देखकर तो बस एक ही बात निकलती है। उम्र सिर्फ एक नंबर है, असली बात है स्टाइल और कॉन्फिडेंस।

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुई खुशी मुखर्जी

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव को साझा किया। इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं।

बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। 7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। जब वे पास से गुजरे, तो कैमरा मुनव्वर फारूकी पर जूम किया गया, जो टक्सीडो पहने चार लोगों के सामने खड़े थे और उनके चेहरे काले मास्क से ढके हुए थे।

टीजर शेयर करते हुए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने लिखा, गेम मास्टर मुनव्वर फारूकी आपका स्वागत करते हैं द सोसाइटी में! थोड़ा सावधान रहिए, यहां के नियम भी इनके जैसे अलग और हटके हैं।

द सोसाइटी के अलावा, खबर है कि खुशी मुखर्जी बिग बॉस के अगले सीजन में भी शामिल हो सकती हैं।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना: नौकरियों, आर्थिक विकास और औपचारिकीकरण की एक उत्प्रेरक

सुश्री ज्योति विज

अब जबकि दुनिया स्वचालन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, भारत सरकार ने हाल ही में रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को स्वीकृति दी है। यह एक बेहद ही सामयिक और सोचा-समझा कदम है। लगभग एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली यह योजना भारत के उभरते रोजगार परिदृश्य, विशेषकर मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, में एक साहसिक नीतिगत हस्तक्षेप है। अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार की गई यह ईएलआई योजना महज एक आर्थिक उपाय भर नहीं है - यह भारत की श्रमशक्ति के भविष्य में एक ऐसा रणनीतिक निवेश है, जो सीधे तौर पर सरकार के विकसित भारतञ्च2०47 के विजन का समर्थन करता है। ईएलआई देश में रोजगार सृजन का एक प्रमुख उत्प्रेरक बनने जा रहा है।

कई अन्य ऐसे देशों के उलट, जहां आबादी शीघ्र ही घटने लगेगी या घट चुकी है, भारत में अभी भी कार्यशील आयु वर्ग की एक ऐसी बड़ी आबादी है, जिसे रोजगार के अधिक अवसरों की जरूरत है। ईएलआई योजना का उद्देश्य नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों के बीच ही नहीं बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण रूप से अनौपचारिक कार्य एवं औपचारिक रोजगार के बीच की खाई को पाटना है।

रोजगार संबंधी तात्कालिक नतीजों से परे जाकर, इस बात पर गौर करना महत्वपूर्ण है कि ईएलआई योजना विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में भारत की प्रगति को मजबूत करती है। खासतौर पर, औपचारिक व दीर्घकालिक रोजगार को प्रोत्साहित करके एसडीजी 8 (सभ्य कार्य तथा आर्थिक विकास) और कम वेतन पाने वालों एवं पहली बार नौकरी चाहने वालों को लक्षित वित्तीय सहायता प्रदान करके एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) तथा एसडीजी 1० (असमानताओं में कमी) के संदर्भ में।

आधार-समर्थ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली (डीबीटी सिस्टम) के जरिए ईपीएफओ पंजीकरण एवं संवितरण के साथ इस योजना का जुड़ाव न केवल रोजगार सृजन बल्कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार भी सुनिश्चित करता है, जोकि एक न्यायसंगत और समावेशी अर्थव्यवस्था के निर्माण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। भारत द्वारा किए गए ऐसे प्रयासों को मान्यता देते हुए, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने हाल ही में भारत की इस उपलब्धि को स्वीकार किया और आधिकारिक तौर पर अपने डैशबोर्ड पर इस तथ्य को प्रकाशित किया कि भारत की 64.3 प्रतिशत आबादी (2०15 में 19 प्रतिशत की तुलना में), यानी 94 करोड़ से अधिक लोग अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ के दायरे में हैं।

मैन्यूफैक्चरिंग पर जोर खासतौर पर स्वागत योग्य है। जैसे-जैसे वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं नए सिरे से बदल रही हैं, भारत भी कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहा है। इन क्षेत्रों में दीर्घकालिक रोजगार सृजन का समर्थन करके, ईएलआई योजना पीएलआई योजनाओं, मेक इन इंडिया' तथा स्किल इंडिया' जैसी मौजूदा पहलों का पूरक बनने के साथ-साथ शहरी व अर्द्ध-शहरी, दोनों समूहों में औद्योगिक विकास को गति देगी।

अक्सर लागत संबंधी चिंताओं के कारण औपचारिक भर्ती को बढ़ाने में बाधाओं का सामना करने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को यह योजना महत्वपूर्ण राहत प्रदान करती है। नियोक्ता-पक्ष के प्रोत्साहन नई भर्ती की सीमांत लागत को कम करते हैं। इससे विस्तार, औपचारिकीकरण और श्रमशक्ति के उन्नयन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

वैश्विक स्तर पर, वेतन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं रोजगार को बढ़ावा देने में कारगर साबित हुई हैं। जर्मनी जैसे देश अप्रेंटिसशिप और दीर्घकालिक भर्ती के लिए नियोक्ता सब्सिडी प्रदान करते हैं। दक्षिण कोरिया युवा एवं वृद्ध श्रमिकों के नियोक्ताओं को लक्षित वेतन सहायता प्रदान करता है। सिंगापुर कौशल के उन्नयन (अपस्किलिंग) और रोजगार को कायम रखने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्य अवसर कर क्रेडिट (डब्ल्यूओटीसी) की व्यवस्था है, जो वंचित समूहों के व्यक्तियों की भर्ती करने वाले नियोक्ताओं को पुरस्कृत करता है। भारत की ईएलआई योजना हमारे विशाल अनौपचारिक श्रम बाजार, जनसांख्यिकीय लाभांश और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विस्तार जैसी स्थानीय जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर की सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का समावेश करती है।

ईएलआई योजना भारत की रोजगार नीति की परिपक्वता - अल्पकालिक राहत से हटकर दीर्घकालिक श्रम बाजार के विकास की दिशा में बदलाव - को दर्शाती है। ढलती उम्र वाली आबादी के साथ-साथ डिजिटल और हरित बदलावों जैसे व्यापक वैश्विक रुझानों की पृष्ठभूमि में, ऐसी कारगर नीतियां अधिक संख्या में लोगों को गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सुलभ कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

फिक्की में, हम अपने सदस्यों से इस योजना का सदुपयोग करने हेतु आगे आने का आग्रह करते हैं। नियोक्ताओं- खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से जुड़े- को इसे वित्तीय लाभ से कहीं आगे बढ़कर देखना चाहिए। यह योजना परिचालन को बढ़ाने, युवा प्रतिभाओं का दोहन करने, वेतन भुगतान प्रणाली (पेरोल) का औपचारिकीकरण करने और स्थायी आर्थिक मूल्य सृजित करने का एक उपकरण है। उद्योग जगत के एक शीर्ष चैंबर के रूप में, फिक्की इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लेखिका महानिदेशक, फिक्की हैं

लावण्या त्रिपाठी और देव मोहन अभिनीत फिल्म साथी लीलावती का पहला लुक जारी

तातिनेनी सत्या द्वारा निर्देशित और लावण्या त्रिपाठी व देव मोहन अभिनीत फिल्म साथी लीलावती का पहला लुक जारी कर दिया गया है। यह फिल्म आनंदी आर्ट क्रिएशंस द्वारा प्रस्तुत और दुर्गादेवी पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। साथी लीलावती एक संवेदनशील विषय पर आधारित है जो रिश्तों में भावनाओं के महत्व और पारिवारिक व्यवस्था के कमजोर होने को दर्शाती है।

यह फिल्म पति-पत्नी के बीच के बंधन की कहानी कहती है और रिश्तों को बनाए रखने में भावनाओं के महत्व पर प्रकाश डालती है। निर्देशक तातिनेनी सत्या कबड्डी और एसएमएस (शिव मनसुलो श्रुति) जैसी अपनी पिछली फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और इस बार एक संवेदनशील विषय को दिल से पर्दे पर उतारने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म में लावण्या त्रिपाठी और मलयालम अभिनेता देव मोहन मुख्य भूमिकाओं में हैं, और नागमोहन इसे दुर्गादेवी पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित कर रहे हैं। साथी लीलावती के निर्माता एक ऐसी फील-गुड फिल्म बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं जो दर्शकों के सभी वर्गों को पसंद आए।

मिकी जे. मेयर संगीत निर्देशक हैं, बिनेंद्र मेनन छायांकन का काम संभालेंगे और सतीश सूर्या फिल्म का संपादन करेंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेज़ी से चल रहा है। साथी लीलावती एक दिल को छू लेने वाली फिल्म होने का वादा करती है जो रिश्तों में भावनाओं के महत्व को दर्शाती है। लावण्या त्रिपाठी लीला के रूप में और देव मोहन सेतु के रूप में नज़र आ रहे हैं।

सू- दोकू क्र.24

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 23 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भारत अब केवल सीमा पर सखूत नहीं, बल्कि आसमान में भी निर्णायक

ममता रावत

भारत की वायु सीमाओं में अब केवल परिंदे ही नहीं, उड़ेंगे,बल्कि आत्मनिर्भरता के पंखों से सुसज्जित वह राष्ट्रीय स्वप्न भी ऊंचाई पकड़ेगा, जिसे दशकों तक वैश्विक तकनीकी निर्भरता ने रोक रखा था। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह घोषणा की कि भारत अब पूरी तरह से स्वदेशी 5 वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित करेगा, तब यह केवल एक रक्षा सौदे की सूचना नहीं थी। यह उस परिवर्तन की उद्घोषणा थी, जो भारत को रक्षा आयातक से रक्षा निर्माता और अब रक्षा निर्यातक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की ओर अग्रसर है।

दरअसल,यह निर्णय उस 'राष्ट्र संकल्प' का परिणाम है जो वर्षों से इस माटी की अंतर्ध्वनि में पल रहा था,कि भारत अपने रक्षण की शक्ति स्वयं रचेगा। कुछ वर्ष पहले तक रक्षा निर्यात भारत की कल्पना से भी परे की बात मानी जाती थी। किंतु आज हम प्रत्यक्ष देख रहे हैं कि रक्षा निर्यात का आंकड़ा नए कीर्तिमान की ओर बढ़ रहा है। यह कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि उत्पादनशील राष्ट्र की परिपक्व योजना है,इसमें न केवल डीआरडीओ और एचएएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण संस्थाएं योगदान दे रही हैं, बल्कि हजारों एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवोन्मेषी युवाओं की सृजनशीलता भी भागीदार बन चुकी है।

इन सब प्रयासों का प्रत्यक्ष और तात्कालिक प्रमाण बना वह सैन्य अभियान, जिसने न केवल पड़ोसी को झकझोरा बल्कि पूरे विश्व को भारत की क्षमताओं पर पुनर्विचार करने पर विवश कर दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर'-जिसे अब आधुनिक सैन्य रणनीति का मील का पत्थर माना जा रहा है,ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब केवल सीमा पर सखूत नहीं, बल्कि आसमान में भी निर्णायक है। जब केवल 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान के बहावलपुर से लेकर कराची तक फैले 11 आतंकवादी अड्डों को भारतीय वायुसेना ने धूल चटा दी, तब विश्व ने देखा कि भारत अब तकनीक, संकल्प और साहस,तीनों में अग्रणी है। यह ऐतिहासिक सफलता कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। भारत की सैन्य परंपरा और वीरता का एक गौरवशाली इतिहास है। बहरहाल, हम फिर आते हैं पांचवीं पीढ़ी के विमान पर। इस संदर्भ में भारत की तेजस परियोजना का उदाहरण पर्याप्त होगा। तेजस मार्क-2 की सफलता के साथ भारत अब न केवल मिड-क्लास फाइटर कैटेगरी में आत्मनिर्भर है, बल्कि अगली पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। यह विमान न केवल भारत की सीमाओं की रक्षा करेगा, बल्कि भारत के उस वैज्ञानिक आत्मविश्वास का परिचायक बनेगा जो अब रक्षा वैज्ञानिकों की प्रयोगशालाओं में दमक रहा है।

यह भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि भारत की यह सामरिक उन्नति केवल सैन्य दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य से भी क्रांतिकारी सिद्ध हो रही है। भारत का यह 5वीं पीढ़ी का फाइटर जेट भी एक आक्रमण का औज़ार नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि, भारत शांति का उपासक है, किंतु असहाय नहीं। युद्ध उसका अंतिम विकल्प है, लेकिन आवश्यकता हुई तो वह विकल्प निर्णायक सिद्ध होगा।

फ्रांस के साथ यह सामरिक साझेदारी भी केवल तकनीकी आदान-प्रदान नहीं, एक परिपक्व कूटनीतिक संबंध का विस्तार है। राफेल के बाद यह अगला चरण भारत को 'विकासशील ग्राहक' से 'विकसित साझेदार' की भूमिका में प्रतिष्ठित करता है। यह विमान जब भारत की धरती पर बनेगा, तब वह न केवल भारत के आसमान को सुरक्षित करेगा, बल्कि भारत के वैश्विक स्थान को भी ऊंचा करेगा। इस संपूर्ण परिदृश्य में यदि कोई एक तत्व सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है, तो वह है भारत का बदलता हुआ मनोबल। यह अब कोई असहाय या द्वितीय पंक्ति का राष्ट्र नहीं रहा, जिसे तकनीक के लिए अनुदान और आयात की आवश्यकता पड़े । भारत अब निर्माता है, और जब कोई राष्ट्र अपने रक्षण का निर्माता बनता है, तब वह पराजित नहीं होता,चाहे रणभूमि हो या वैश्विक मंच!

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रावण माह के तीसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

स्कूटी सवार ने लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार द्वारा युवती से मोबाइल लूट के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखनीधार टिहरी निवासी शिवानी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां कारगी चौक के पास फोन पर बात करते हुए जा रही थी तभी एक स्कूटी सवार वहां पर आया और उसके हाथ से मोबाइल छीनकर वहां से भाग गया। उसने शोर मचाया लेकिन तब तक वह आंखों से ओझल हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंदिर गई दो नाबालिग लापता

संवाददाता

देहरादून। मंदिर गयी दो नाबालिगों के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला निवासी व्यक्ति ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी 11 वर्षीय अपनी सहेली 17 वर्षीय के साथ बसंती माता मंदिर पूजा करने के लिए गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। उन्होंने दोनों को काफी तलाश किया लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

कंटेनर की चपेट में आकर युवती की मौत

संवाददाता

देहरादून। कंटेनर की चपेट में आकर युवती की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहूंवाला निवासी नजमा खान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी शिमला बाइपास चौक से घर की तरफ आ रही थी तभी पीछे से आ रहे कंटेनर ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रिया को प्रताड़ित करने वाले सीएसएल... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

आया है जिसमें महिला के पति की मृत्यु हो जाने पर बीमित बैंक ऋण के एवज में सुरक्षा देने के बजाय विधवा महिला को परेशान किया जा रहा था। जिस पर प्रशासन ने बैंक को सील कर दिया है। 04 बालिकाओं की विधवा मॉ प्रिया ने डीएम से लगाई गुहार, जिस पर प्रशासन ने आरसी काटते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है। जारी वसूली मांग पत्र धनराशि मु०-6,50,000.00+ 65000.00 संग्रह व्यय अर्थात् कुल धनराशि मु0-7,15,000.00 रु० मात्र का वसूली प्रमाण पत्र वसूली हेतु प्राप्त होने के क्रम में बाकीदार के विरूद्ध नियमानुसार वसूली की कार्यवाही करते हुए समन तामिल कराया गया। जिसमें बाकीदार द्वारा मु0-7,15,000.00 रूपये की धनराशि आरटीजीएस के माध्यम से तहसीलदार सदर देहरादून के पदेन खाते में सशर्त हस्तांतरित किये गये थे। जिसमें धनराशि का उपयोग वसूली प्रमाण पत्र की वसूली में उपयोग करने से बाधित कर दिया गया था। इस नाफरमानी पर जिला प्रशासन द्वारा अग्रिम कार्यवाही करते हुए सीएसएल फाईनेंस लिमिटेड कार्यालय पता वृन्दावन टॉवर न्यू कैन्ट रोड़ हाथीबडकला की चल सम्पत्ति को कुर्क करने की कार्यवाही की गई। किंतु कुर्क की गई चल सम्पत्ति का कुल मूल्य वसूली की जाने वाली धनराशि के सापेक्ष पर्याप्त न होने के कारण बाकीदार फर्म सीएसएल फाईनेंस लिमिटेड कार्यालय- पता वृन्दावन टॉवर न्यू कैन्ट रोड हाथीबडकला के बैंक खाते को कुर्क किये जाने हेतु धारा 282 उप्र जनवि एवं भूब्य अधिनियम 1950 के तहत निहित अधिकारो का प्रयोग करते हुये ज.वि. आकार-पत्र 71 चल सम्पत्ति कुर्की अधिपत्र जारी किया गया है। प्रशासन ने वसूली के सम्पूर्ण धनराशि को वसूल करने हेतु बाकीदार के खाते को कुर्क किया है।

यूसीसी लागू कर बाबा साहेब को दी सच्ची श्रद्धांजलि:धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू कर राज्य सरकार ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास के मुख्य सेवक सदन, में समान नागरिक संहिता लागू करने पर आयोजित सम्मान समारोह में प्रतिभाग किया। समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह सम्मान उत्तराखंड की जनता का सम्मान है। राज्य की जनता के आशीर्वाद से ही उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता का सपना साकार हो पाया। उन्होंने कहा समान नागरिक संहिता लागू कर राज्य सरकार ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा यू.सी.सी लागू होने के बाद अब राज्य में सभी नागरिकों के अधिकार समान हो गए हैं। यू.सी.सी ने समाज में भेदभाव खत्म करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता में महिलाओं के अधिकारों को सुरक्षित किया गया हैं। लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण अनिवार्य

किए जाने से बहन-बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने कहा निश्चित ही समान नागरिक संहिता की ये गंगा उत्तराखंड राज्य से संपूर्ण देश में जाएगी। उन्होंने कहा हमारी विचारधारा सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता जैसे मूल्यों पर आधारित रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बाबा साहेब की स्मृतियों से जुड़े प्रमुख स्थलों को राष्ट्र चेतना के पंच तीर्थ के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सख्त दंगारोधी कानून, धर्मांतरण कानून, और ऑपरेशन कालनेमि जैसे कई कड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार किसी भी हालत में राज्य की डेमोग्राफी चेंज नहीं होने देगी। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, साध्वी रेणुका, स्वामी निरंजन चौतन्य महाराज, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रुहेला, विधायक सुरेश गड़िया, सफीपुर (उन्नाव, यू.पी) के विधायक बंबा लाल दिवाकर एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

शराब के साथ दो महिलाओं सहित तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने मोतीचूर फ्लाईओवर के नीचे एक कार चालक को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से एक पेटी शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम कामेश्वर प्रजापति पुत्र अशोक कुमार निवासी प्रेम विहार हरिपुर बताया। वहीं रानीपोखरी थाना पुलिस ने गुजराडा रोड से एक महिला को 85 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम राखी पत्नी सचिन राणा निवासी जाटव बस्ती ऋषिकेश बताया। इसके साथ ही रानीपोखरी थाना पुलिस ने थाना गेट के पास से एक महिला को 55 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम कृष्णा पत्नी गाजे निवासी जाटव बस्ती ऋषिकेश बताया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

मतदान केंद्रों का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

❑मतदान की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं: स्वाति एस. भदौरिया

हमारे संवाददाता

पौड़ी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण में आज जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने विकासखंड कोट व पौड़ी के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया की व्यवस्थाओं का स्थलीय जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाताओं से बातचीत करते हुये लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिक अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के सशक्तिकरण में योगदान दें।

जिलाधिकारी ने विकासखंड पौड़ी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाबौ मल्ला तथा विकासखंड कोट के राजकीय प्राथमिक विद्यालय जामलाखाल तथा राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कठुड़ में बूथों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने बीडीओ को निर्देश दिए कि सभी बूथ स्तरीय अधिकारी वोटर लिस्ट लेकर मतदान स्थलों पर उपस्थित रहें, ताकि मतदाताओं का सूची से मिलान किया जा सके।

उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि हर दो घंटे में मतदान की स्थिति की रिपोर्ट कंट्रोल रूम को अनिवार्य रूप से भेजें। साथ ही मतदान समाप्ति के तुरंत बाद उसकी जानकारी भी कंट्रोल रूम को देने को कहा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, समयबद्धता और सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतपेटियों को पूरी सुरक्षा के साथ सील कर स्ट्रांग रूम तक पहुँचाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने महिला, बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिये विशेष सहूलियतें सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखने तथा आचार संहिता के पूर्ण पालन करवाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान स्थल पर अनावश्यक भीड़ न हो। जिलाधिकारी ने चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों व सुरक्षा बलों से कहा कि मतदान निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हो यह सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार दीवान सिंह राणा, बीडीओ कोट अमित बिजल्वाण सहित अन्य अधिकारी व मतदान कार्मिक भी मौजूद रहे।

प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें: धामी

सवांददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों हरिद्वार स्थित मनसा देवी -चंडी देवी मंदिर, टनकपुर स्थित पूर्णागिरि धाम, नैनीताल के कैंची धाम, अल्मोड़ा के जागेश्वर मंदिर, पौड़ी स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर सहित अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालु पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन अनुभव प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों मंडलों के आयुक्तों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए। इस समिति में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष, एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से मनसा देवी मंदिर परिसर तथा अन्य प्रमुख मंदिर परिसरों के सुनियोजित विकास, धारणा क्षमता में वृद्धि और व्यवस्थित दुकान प्रबंधन पर बल देते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को सुदृढ़, सुव्यवस्थित और सुगम बनाया जाए। श्रद्धालुओं का पंजीकरण अनिवार्य रूप से किया जाए तथा दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करते हुए चरणबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, एस.एन. पाण्डेय, सचिव एवं आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

डब्लू यादव मुठभेड़ में ढेर

कार्यालय संवाददाता

हापुड़। बिहार में 50 हजार का इनामी बदमाश डब्लू यादव यूपी के हापुड़ में मुठभेड़ के दौरान मारा गया । इस मुठभेड़ में घायल अवस्था में उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोपी पर 50 हजार का इनाम का ऐलान किया गया था। बिहार पुलिस और नोएडा एसटीएफ ने मिलकर उसे हापुड़ के सिंभावली में मारा है। आरोपी पर अलग-अलग थानों में 24 से ज्यादा मामले दर्ज थे। श्हम पार्टीश के नेता के किडनैप कर उसकी हत्या करने का भी आरोप उस पर लगा था।

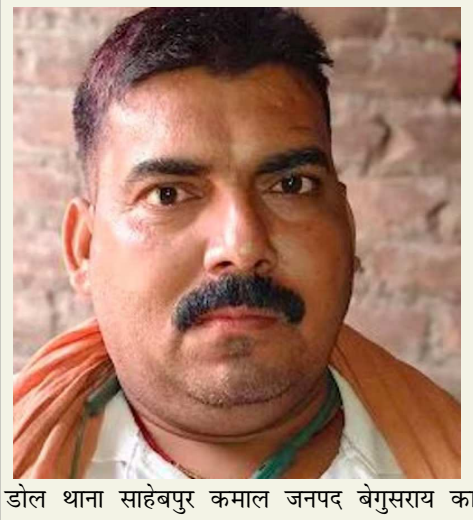

बिहार में मारा गया डब्लू यादव उर्फ सूरज याद व ज्ञान डोल थाना साहेबपुर कमाल जनपद बेगुसराय का निवासी है। उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। उसके ऊपर हत्या की कोशिश, किडनैपिंग, आर्म्सएक्ट के टोटल 24 मुकदमे दर्ज हैं। कुख्यात बदमाश पर हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार का अपरहण करने के बाद मर्डर का आरोप है। इस हत्या के बाद ही फरार चल रहा था।

डब्लू यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई दिनों से कोशिश कर रही थी, लेकिन वो पुलिस की पकड़ से काफी दूर फरार चल रहा था। पुलिस को घटनास्थल से एक कार्बाइन, एक पिस्टल, एक तमंचा और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किया है। बिहार और यूपी पुलिस कई जगहों पर तलाशी करने में जुटी हुई थी। बीती रात पुलिस को जब उसके ठिकाने का पता चला तो वो उसको पकड़ने गई, जहां दोनों आमने सामने हो गए। फिर मुठभेड़ शुरू हो गई थी। जिसमें वो घायल हो गया, बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

'धर्मांतरण कानून हो और सख्त'

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाते हुए, जरूरी कदम भी उठाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सीमांत प्रदेश होने के साथ ही सनातन की पुण्य भूमि भी है। इसलिए यहां डेमोग्राफी में बदलाव की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे। धर्मांतरण कराने वाले तत्वों के जाल में फंसे लोगों को उचित परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए, धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाए जाने की दिशा में तत्काल कदम उठाएं जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऑपरेशन कालनेमी भी ऐसे तत्वों पर लगाम लगाने में सफल रहा है। इस मुहिम को आगे भी चलाए जाने की जरूरत है, इसलिए पुलिस मुख्यालय के स्तर पर, इसकी निगरानी के लिए एसआईटी का गठन किया जाए।

●ऑपरेशन कालनेमी की निगरानी के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित होगी एसआईटी

51 लीटर गंगाजल लाने वाले कांवड़िये की मौत

हमारे संवाददाता

सोनीपत। कांवड़ मेले के दौरान 51 लीटर गंगाजल लाने वाले कांवड़िये की बीमारी के कारण मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार गन्नौर के गांव पुरखास राठी के 20 वर्षीय जतिन ने बीते दिनों कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार से 51 लीटर गंगाजल उठाया था। जिनकी कांवड़ लाते समय रास्ते में मांसपेशियां फट गईं, बताया जा रहा है कि उन्होने दर्द में भी कांवड़ नहीं छोड़ी और वह पेन किलर लेते रहे। जिसके चलते उनकी लीवर-किडनी फेल हो गयी।

जतिन के चाचा राजेश राठी ने बताया कि उत्तरप्रदेश के शामली के पास जतिन की कंधे की मांसपेशी फट गई थी। जिस पर उन्होने उसे रोकने की कोशिश की, पर जतिन ने इसे मामूली चोट बताकर पेन किलर ली और यात्रा जारी रखी। बताया कि 22 जुलाई को वह शेखपुरा शिविर में रुका और 23 जुलाई को शिव मंदिर में जल अर्पण कर घर लौटा। घर पहुंचने के बाद जतिन की तबीयत और बिगड़ गई। जिनको उपचार हेतू एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच के दौरान पता चला कि मांसपेशी फटने के कारण संक्रमण फैल गया है जो लीवर व किडनी तक पहुंच गया। जिनकी शुक्रवार रात मौत हो गयी। चाचा राजेश राठी ने कहा कि श्रद्धा जरूरी है, पर शरीर की सीमा भी समझनी चाहिए। डाक्टर की सलाह के बिना दर्द निवारक दवा लेना खतरनाक हो सकता है।

पहलगाम हमले में शामिल मूसा समेत 3 आतंकी मुठभेड़ में ढेर

कार्यालय संवादाता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आज सेना ने ऑपरेशन महादेव में तीन आर्तकियों को ढेर कर दिया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पहलगाम आतंकी हमलों में शामिल सुलेमान को मार गिराया गया है। उस पर 20 लाख रुपये का इनाम था।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को अटैक हुआ था जिसमें 26 मासूमों को मार गिराया गया था। श्रीनगर के हरवान के लिडवास इलाके में सोमवार को आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन महादेव लॉन्च किया गया। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। हालांकि, सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की, ऑपरेशन महादेव के तहत 3 आतंकवादियों को ढेर किया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक, एनकाउंटर में मारे गए तीनों आर्तकियों के नाम अबू हमजा/हारिस, यासिर और सुलेमान है। सूत्रों के मुताबिक, सुलेमान नाम का आतंकी पहलगाम हमले में शामिल था। अभी भी एजेंसिया यही कन्फर्म कर रही हैं कि क्या मारा गया आतंकी वही सुलेमान है या नहीं जो हमले में शामिल था।

अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने एक खुफिया सूचना के आधार पर हरवान के मुलनार इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि जब सुरक्षाकर्मी सर्च ऑपरेशन चला रहे थे, तब दूर से दो राउंड गोलियों की आवाज सुनाई दी। इसी के बाद ऑपरेशन शुरू किया गया। भारतीय सेना की चिनार कोर के अनुसार, लिडवास क्षेत्र में गोलीबारी शुरू हुई और इस मुठभेड़ में दहशतगर्दों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध स्थान के पास पहुंचे, वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इसी के बाद सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अब इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।